केमाशिबो/शैक्ष./उस(मंसिं)/2024 **दिनांक:16.04.2024**
परिपत्र संख्या: शैक्ष.-38/2024

केमाशिबो से संबद्ध सभी विद्यालयों के प्रमुख

विषय: जल शक्ति अभियान के अंतर्गत 'जल दूत' कार्यक्रम: कैच द रेन अभियान के संबंध में।

प्रिय प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या

'*जल शक्ति अभियान*: कैच द रेन' अभियान 22.03.2021 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किया गया था। यह अभियान वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, गणना, जियो-टैगिंग और सभी जल निकायों की सूची बनाने; जल संरक्षण हेतु वैज्ञानिक योजनाएँ तैयार करना, सभी जिलों में *जल शक्ति केंद्रों* की स्थापना करना, गहन वनरोपण और जागरूकता सृजन करने पर केंद्रित है। विद्यार्थी, समुदाय के सबसे गतिशील और प्रभावशाली वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।

जल संरक्षण के क्षेत्र में विद्यार्थियों की भूमिका को पहचान देने के लिए *जल जीवन* मिशन, असम ने *'जल दूत'* कार्यक्रम नामक एक पहल की शुरुआत की। इसके कार्यान्वयन और पहुंच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए इस कार्यक्रम के अंतर्गत आठवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को *'जल दूत'* नाम दिया गया।। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी चैंपियन बनाना है जो सुरक्षित पेयजल, जल गुणवत्ता, जल संरक्षण आदि जैसे अन्य गतिविधियों के बीच अपने इलाके में पाइप जल आपूर्ति योजनाओं का मूल्यांकन प्रदान करेंगे।

भारत के विविध भूदृश्य में इस कार्यक्रम के लाभ में कई गुना वृद्धि होने के परिणामस्वरूप अब *जल दूत* कार्यक्रम के विचार का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन स्थायी जल उपयोग, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु लचीलापन और युवा मस्तिष्को (*जल दूतों*) को *जन आंदोलन* ताज़ा विचार और युवा ऊर्जा के लिए सम्मिलित करने की दिशा में भारत के प्रयासों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, *जल दूत* कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों को विद्यालयों द्वारा चलाया जा सकता है। *जल दूत* कार्यक्रम से संबधित संकल्पना नोट (कॉन्सेप्ट नोट) संदर्भ के लिए संलग्न है। जल दूत कार्यक्रम से सम्बंधित गतिविधियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट विद्यालयों को निम्नलिखित लिंक पर अपलोड करनी होगी:

https://forms.gle/Erk1dVe35dyoQKFt8

आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त जानकारी को अपने विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच प्रसारित करें तथा विद्यार्थियों को *जल दूत* कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें ।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ. जोसफ इमानुवेल
निदेशक (शैक्षणिक)

निम्नानुसार संबंधित निदेशालयों, संगठनों और संस्थानों के प्रमुखों को उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में सूचना प्रसारित करने के अनुरोध के साथ प्रतिलिपि:

1. आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, 18 इंस्टीट्यूशनल एरिया, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-16
2. आयुक्त, नवोदय विद्यालय समिति, बी-15, सेक्टर-62, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा।
3. सचिव, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), एमओटीए, भारत सरकार।
4. सचिव, सैनिक विद्यालय सोसायटी, कमरा नंबर 101, डी-1 विंग, सेना भवन, नई दिल्ली-110001।
5. अध्यक्ष, ओडिशा आदर्श विद्यालय संगठन, एन-1/9, दूरदर्शन केंद्र के पास, पीओ सैनिक विद्यालय नयापल्ली, भुवनेश्वर, ओडिशा-751005।
6. शिक्षा निदेशक, शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
7. सार्वजनिक निर्देश निदेशक (विद्यालय), यूटी सचिवालय, सेक्टर 9, चंडीगढ़- 160017
8. शिक्षा निदेशक, सिक्किम सरकार, गंगटोक, सिक्किम -737101
9. विद्यालय शिक्षा निदेशक, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर -791 111
10. शिक्षा निदेशक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सरकार, पोर्ट ब्लेयर - 744101
11. शिक्षा निदेशक, एसआईई, केमाशिबो सेल, वीआईपी रोड, जंगली घाट, पीओ 744103, ए एंड एन द्वीप
12. सेना शिक्षा के अतिरिक्त महानिदेशक, ए-विंग, सेना भवन, डीएचक्यू, पीओ, नई दिल्ली-110001
13. सचिव एडब्ल्यूईएस, रक्षा मंत्रालय (सेना) का एकीकृत मुख्यालय, एफडीआरसी बिल्डिंग नंबर 202, शंकर विहार (एपीएस के पास), दिल्ली कैंट-110010
14. केमाशिबो के सभी क्षेत्रीय निदेशकों/क्षेत्रीय अधिकारियों को इस अनुरोध के साथ कि वे अपने संबंधित क्षेत्रों में बोर्ड के सभी संबद्ध विद्यालयों के प्रमुखों को यह परिपत्र भेजें।
15. विद्यालय शिक्षा निदेशक, लद्दाख, कमरा नंबर 101, 102 ग्राउंड फ्लोर, परिषद सचिवालय, कुर्बाथांग, कारगिल-लद्दाख
16. विद्यालय शिक्षा निदेशक, आंध्र प्रदेश, तीसरी मंजिल, बी ब्लॉक, अंजनेय टावर्स, वीटीपीएस रोड, भीमराजू गुट्टा, इब्राहिमपटनम, आंध्र प्रदेश पिन: 521456
17. सभी संयुक्त सचिव/उप सचिव/सहायक सचिव/वनिस/विश्लेषक, केमाशिबो
18. सभी प्रमुख/प्रभारी, उत्कृष्टता केंद्र, केमाशिबो
19. प्रभारी आईटी यूनिट के साथइस परिपत्र को केमाशिबो शैक्षणिक वेबसाइट पर डालने का अनुरोध करें
20. प्रभारी, पुस्तकालय
21. प्रमुख (मीडिया एवं जनसंपर्क), केमाशिबो
22. अध्यक्ष, केमाशिबो के उपसचिव
23. सभी निदेशकों के प्रनिस/वनिस/निजी सचिव, केमाशिबो
24. निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा), केमाशिबो के प्रनिस
25. रिकॉर्ड फ़ाइल

निदेशक (शैक्षणिक)

Envisioning a Sustainable Future: Students as Catalysts for Transforming Water Dynamics

Students represent the most dynamic and influential segment of the population, capable of driving significant social and environmental change. Their involvement serves a dual purpose: educating them on crucial water-related issues while empowering them to be the change agents in their communities. Such a journey transforms them, ingraining a deep sense of responsibility towards water conservation, and equips them with the knowledge to lead by example.

Community Engagement through students

One of the most compelling reasons for involving students is their ability to influence community behaviours. Young voices are powerful; they inspire change and mobilize communities towards collective action. Students act as messengers, carrying the critical message of water conservation from the corridors of their schools to the wider community. Their enthusiasm and genuine concern often resonate with people, encouraging households to adopt more sustainable practices.

Case study: Jaldoot Programme in Assam

The JalDoot Programme, a pioneering initiative of Jal Jeevan Mission Assam, has emerged as a beacon of hope in the arena of water conservation and water management. Central to this programme is the involvement of students of

classes VIII to XII called 'Jaldoots', who play a crucial role in its execution and outreach. Jaldoots are onboarded through a two-day interactive workshop, **"JalShala"** followed by fieldwork and various levels of rewards and recognition at each stage. The Programme aims at creating student champions who will provide an assessment of the state of Piped Water Supply Schemes (PWSS) in their locality among other activities like being ambassadors of Safe Drinking Water, Water Quality, Water Conservation, Community Participation, Water Sanitation and Hygiene, etc. It is expected that after completion of the programme, the students will play the role of **"Jal Doot"** initiating advocacy on safe practices among the community at different levels viz. own household, school, neighbourhood, friends and society disseminating their learning from the programme. Each student nominated as Jaldoot is registered and engaged through WhatsApp ChatBot called **"Jaldoot Bot"**. As of date, 630 Jalshalas are conducted, wherein, more than 24,000 students have participated and nearly 14,000 Jaldoots are using ChatBot. Moreover, the Jaldoots perform a set of 24 activities in a gamified format specially curated in the DISS (Discover, Investigate, Solve, Share) framework. The scores obtained by a Jaldoot for the successful completion of activities nudged by the Jaldoot Bot are reflected on a dynamic scorecard called **Jaldoot Leaderboard**. All Jaldoots, teachers, trainers and other stakeholders can view the updates as posted in the leaderboard from time to time within the comprehensive dashboard. The achievements of Jaldoots are also featured on the **Changemaker profile**, underscoring the positive changes brought about by their dedicated efforts.

The first phase of the programme has been initiated covering around 5000 Piped Water Supply Schemes across all the districts of Assam, supported by 25000 (approx) Jaldoot volunteers. Eventually, around 3 lakh Jaldoot volunteers from all across Assam will participate in this programme.

Benefits of Nationwide Replication of Involving Students

Extending the idea of the Jaldoot Programme across India's diverse landscapes promises a manifold increase in its benefits. Every district across the nation, with its unique environmental challenges and cultural backdrop, stands to gain from the fresh wave of enthusiasm and innovation brought in by the young students. This nationwide movement could significantly bolster India's efforts towards sustainable water use, environmental conservation, and climate resilience. Moreover, participation in initiatives like the Jaldoot Programme enriches the educational experience of the young population. It provides students with a practical application of their theoretical knowledge, bridging the gap between classroom learning and real-world challenges. This holistic approach to education nurtures critical thinking, problem-solving skills, and a sense of responsibility towards societal issues. Moreover, it prepares students for a better future by instilling in them the principles of sustainability, leadership, and community service.